आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 06.04.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- केंद्र सरकार ने घरेलू मांग पूरी करने के लिए पांच किलो के एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति बढ़ाई। कहा– ईंधन की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने और समुद्री परिचालन की सुरक्षा के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं।
- प्रदेश में खनिज नीति व नियमावली का सरलीकरण होने से खनन राजस्व पहली बार बारह सौ करोड़ के पार पहुंचा।
- प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के अन्त्योदय और प्राथमिक परिवारों के राशन कार्ड धारकों को अप्रैल, मई और जून माह का अग्रिम खाद्यान वितरण इसी महीने किया जाएगा।
- राज्य के पर्वतीय जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट।

एलपीजी सिलेंडर

केंद्र सरकार ने पांच किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति बढ़ा दी है। वैध पहचान पत्र दिखाने पर एलपीजी वितरक–काउंटर पर ये सिलेंडर उपलब्ध होंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि आपूर्ति बढ़ाने के बाद 23 मार्च से पांच किलो के लगभग छह लाख साठ हजार सिलेंण्डरों की बिक्री हुई है। इन सिलेंडरों की कीमत बाजार दर पर रखी गई है और इनकी खरीद के लिए किसी पते के प्रमाण की आवश्यकता नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी वितरण केन्द्र पर इन सिलेंडरों की कोई कमी नहीं है। चार अप्रैल को 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की गई और कुल मांग के 95 प्रतिशत की ऑनलाइन बुकिंग हुई। सरकार ने कहा है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ईंधन की निर्बाध आपूर्ति, सुरक्षित समुद्री परिवहन और भारतीय नागरिकों की मदद के लिए व्यापक उपाय किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने जोर दिया कि पेट्रोल, डीज़ल या रसोई गैस की देश में कोई कमी नहीं है और घबराहट में खरीद की जरूरत नहीं है। इस बीच सरकार पाइप लाइन से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का दायरा भी बढ़ा रही है। जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भी सख्त निर्देश दिए गए हैं।

खनन राजस्व

प्रदेश सरकार की सुदृढ़ नीतियों के परिणामस्वरूप उत्तराखण्ड का खनन विभाग राजस्व प्राप्ति के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में विभाग ने 950 करोड़ रुपये के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कुल एक हजार 217 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस उपलब्धि में ट्रेजरी में एक हजार 130 करोड़ रुपये, जिला खनिज फाउंडेशन न्यास में 80 करोड़ और एसएमईटी से 7 करोड़ रुपये का योगदान शामिल है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के स्पष्ट निर्देशों के तहत खनिज नीति व नियमावली का सरलीकरण किया गया, जिससे वैध खनन को बढ़ावा मिला और अवैध खनन, परिवहन व भंडारण पर प्रभावी रोक लगी। पारदर्शी व्यवस्था के तहत खनन पट्टों का आवंटन किया गया, जिससे राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि संभव हो सकी। मुख्यमंत्री की पहल पर तकनीकी नवाचारों को भी प्राथमिकता दी गई। खनन डिजिटल परिवर्तन और निगरानी प्रणाली के माध्यम से राज्य के चार मैदानी जिलों में 45 अत्याधुनिक ई–चैक गेट स्थापित किए गए हैं, जिनमें एएनपीआर कैमरा, आरएफआईडी टैग और अन्य आधुनिक उपकरणों की व्यवस्था की गई है। ई–रवन्ना प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए विशेष सुरक्षा सुविधा युक्त कागज की व्यवस्था लागू की गई है, जिससे फर्जीवाड़े और दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है। इन सभी प्रयासों के चलते राज्य में अवैध खनन पर लगाम लगी है और राजस्व में कई गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

सचिव, खनन, बी.के संत ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग द्वारा लागू किए गए सुधारात्मक उपायों से खनन राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है। यह लगातार दूसरा साल है, जब लक्ष्य से अधिक राजस्व प्राप्त किया है।

छापेमारी रुड़की

रुड़की के साउथ सिविल लाइंस क्षेत्र में एसटीएफ देहरादून की टीम नेएक गोदाम में छापेमारी कर 101 एलपीजी गैस सिलेंडर बरामद किए। बरामद सिलेंडरों में अधिकांश एक गैस एजेंसी के बताए जा रहे हैं और सभी सिलेंडर खाली पाए गए हैं। एसटीएफ के अधिकारी विद्यादत्त जोशी ने बताया कि जिस स्थान से सिलेंडर बरामद हुए, उसे गोदाम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था
पुलिस और खाद्य आपूर्ति विभाग पूरे मामले की जांच में जुटे हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रा□ान वितरण

केंद्र सरकार के निर्देशों के क्रम में प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण अन्न योजना के अन्त्योदय और प्राथमिक परिवारों के राशन कार्ड धारकों को अप्रैल, मई और जून माह का अग्रिम खाद्यान वितरण इसी महीने किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए प्रदेश के खाद्य आयुक्त आनन्द स्वरूप ने बताया कि इसके लिए ई–पॉस मशीन में ऑनलाइन खाद्यान्न वितरण के लिए व्यवस्था की ली गई हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल, मई और जून माह के ऑनलाइन खाद्यान्न वितरण के लिए संबंधित राशन कार्डधारक को अलग–अलग तीन बार बायोमेट्रिक ट्रान्जैक्शन करना होगा। गत मार्च माह में खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित राशन कार्डधारक भी आगामी 15 अप्रैल तक ऑनलाइन खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। राज्य के सभी अन्त्योदय और प्राथमिक परिवार के राशन कार्डधारकों से अपने निकटतम राशन की दुकान से इन तीन महीने का खाद्यान्न प्राप्त करने की अपील की गई है।

वन विभाग अलर्ट

आगामी चारधाम यात्रा को लेकर जहां शासन–प्रसाशन ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं, वहीं वनाग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, जंगलों में अवैध शिकार और जंगली जानवरों की तस्करी आदि को लेकर वन विभाग भी अलर्ट मोड पर है। बदरीनाथ क्षेत्र की संवेदशीलता को देखते हुए बदरीनाथ वन प्रभाग तैयारियों में जुट गया है। प्रभागीय वन अधिकारी सर्वेश कुमार दुबे ने कहा कि वनाग्नि फिलहाल नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा को लेकर वन विभाग की टीम अलर्ट मोड पर है, ताकि कोई भी घटना होने पर तुरन्त नियंत्रण किया जा सके।

मौसम

मौसम विभाग ने आज उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में तीन हजार तीन सौ मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। राज्य के शेष जिलों में कहीं–कहीं हल्की बारिश की संभावना है। विभाग ने राज्य के पर्वतीय जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ तेज हवाएं चलने का येलो अलर्ट भी जारी किया है।

प्रभारी मंत्री

कैबिनेट मंत्री और उत्तरकाशी के जिला प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने फ़िताड़ी गांव पहुंचकर हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड से प्रभावित परिवारों से मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों का हालचाल जाना और उन्हें हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। कैबिनेट मंत्री ने प्रभावित परिवारों के घरों का निरीक्षण किया और आग से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है और प्रभावित परिवारों की हर सम्भव सहायता की जाएगी। इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने पीड़ित 14 परिवारों को गोट वैली प्रोजेक्ट से जोड़ने की घोषणा करते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि बकरियों के वितरण की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए, ताकि प्रभावित परिवारों की आजीविका को मजबूत किया जा सके और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इस दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं कैबिनेट मंत्री के सामने रखी, जिनमें मुआवज़ा, पुनर्वास और भविष्य में ऐसी घटनाओं से सुरक्षा के उपाय प्रमुख रहे। कैबिनेट मंत्री ने सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का भरोसा दिया।

गाडू घड़ा

बदरीनाथ धाम यात्रा शुरू होने से पहले गाडू घड़ा– तेल कलश यात्रा कल टिहरी जिले में नरेन्द्र नगर राजदरबार से शुरू होकर रात्रि विश्राम के लिए ऋषिकेश पहुंचेगी। तेल कलश यात्रा बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति और डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। मंदिर समिति के अनुसार कल रात को यात्रा रेलवे रोड स्थित चेला चेतराम धर्मशाला में

ठहरेगी। आठ अप्रैल की सुबह श्रद्धालु गाडू घड़ा– तेल कलश के दर्शन कर सकेंगे। पूजा–अर्चना और प्रसाद वितरण के बाद यात्रा लक्ष्मणझूला होते हुए श्रीनगर गढ़वाल के लिए रवाना होगी। यात्रा का शुभारंभ नरेंद्र नगर राजदरबार से महाराजा मनुजयेंद्र शाह करेंगे। राजमहल में महारानी मालाराज्य लक्ष्मी शाह सहित सुहागिन महिलाएं पारंपरिक विधि से तिलों का तेल तैयार कर कलश डिमरी पंचायत को सौंपेंगी। तेल कलश को कुछ समय के लिए डिमरी तीर्थ पुरोहितों के मूल गांव डिम्मर स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में रखा जाएगा, जहां नियमित पूजा–अर्चना की जाएगी। इसके बाद यात्रा विभिन्न पड़ावों से होते हुए आगे बढ़ेगी और 22 अप्रैल को बदरीनाथ धाम पहुंचेगी। अगले दिन 23 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर विधि–विधान के साथ बदरीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।